उज्जैन में क्षिप्रा तट पर बनेगा भव्य शनि लोक

- मुख्यमंत्री ने दी 140 करोड़ की मंजूरी
- सम्राट विक्रमादित्य ने की थी मंदिर की स्थापना
- कलेक्टर रोशन सिंह ने कहा तैयारियां होंगी शुरू

नव भारत न्यूज

उज्जैन. शहर में चारों तरफ विकास कार्य, निर्माण कार्य हो रहे हैं, मानो महाकाल की नगरी में शनिदेव भी प्रसन्न हो गए और सभी नवग्रह भी अनुकूल है, ऐसे में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन स्थित प्रसिद्ध त्रिवेणी शनि मंदिर परिसर में शनि लोक के निर्माण के लिए 140 करोड़ की भारी-भरकम राशि को मंजूरी दे दी है.

यह मंदिर उज्जैन इंदौर मार्ग पर शिप्रा तट पर बना है, जिसे त्रिवेणी शनि मंदिर के नाम से जाना जाता है. मुख्यमंत्री की इस घोषणा के बाद से शनि भक्तों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है और उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने भी इस पर मुहर लगाते हुए मंदिर परिसर में 'शनि लोक' के निर्माण की तैयारियां शुरू करने की जानकारी दी है.

मुख्यमंत्री ने अन्नकूट में की घोषणा-मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास से उज्जैन में आयोजित 9वें अन्नकूट महोत्सव एवं संध्या भजन कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करते हुए यह महत्वपूर्ण घोषणा की.

140 करोड़ की मंजूरी-मुख्यमंत्री ने उज्जैन के त्रिवेणी शनि मंदिर परिसर में शनि लोक के निर्माण के लिए 140 करोड़ की राशि स्वीकृत करने की घोषणा की. सीएम डॉ. यादव ने कहा कि उनकी सरकार प्रदेश में धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों और परम्पराओं के संरक्षण और विकास के लिए पूरी तरह से संकल्पित है.

मुख्य पुजारी ने किया आभार प्रकट-राशि की स्वीकृति की बात सुनकर सभी शनि भक्तों में अपार खुशी छा गई. उपस्थित लोगों ने अपने-अपने मोबाइल का टॉर्च ऑन कर रोशनी दिखाकर मुख्यमंत्री का हृदय से आभार व्यक्त किया. मुख्यमंत्री ने इस अवसर को श्रद्धा और भक्ति के परम अवसर के साथ पुण्य अर्जन का अवसर भी बताया. इस कार्यक्रम में पूज्य स्वामी आनंदजीवनदास एवं पंडित शैलेन्द्र त्रिवेदी, राकेश बैरागी, जीवन बैरागी, सोनू व्यास आदि ने सीएम का आभार प्रकट किया.

2000 साल पुराना है मंदिर का इतिहास-जिस त्रिवेणी शनि मंदिर परिसर में शनि लोक का निर्माण होना है, उसका इतिहास लगभग 2000 साल पुराना बताया जाता है. इसे त्रिवेणी शनि मंदिर और नवग्रह मंदिर के नाम से भी जाना जाता है. इस मंदिर की स्थापना लगभग 2 हजार साल पहले राजा विक्रमादित्य ने की थी. इसी मंदिर के निर्माण के बाद उन्होंने विक्रम संवत की शुरुआत की थी.

भगवान शनि शिव के रूप में हैं विराजित

यह पहला शनि मंदिर है, जहां शनिदेव शिव के रूप में विराजमान हैं. यहां मुख्य शनिदेव की प्रतिमा के साथ-साथ ढय्या शनि की प्रतिमा भी स्थापित है. यह मंदिर शनि भक्तों की गहरी आस्था का केंद्र है, खासकर शनि संबंधी दोषों की शांति के लिए तेल चढ़ाया जाता है, श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूर्ति और साढ़ेसाती और ढय्या की शांति के लिए शनिदेव पर तेल चढ़ाते हैं.

1 दिन में 5 क्विंटल तेल

शनिचरी अमावस्या के दिन यहां 5 क्विंटल से भी ज्यादा तेल शनिदेव पर चढ़ता है, जिसके लिए मंदिर प्रशासन को कई टंकियों की व्यवस्था करनी पड़ती है. बाद में इस चढ़े हुए तेल को नीलाम किया जाता है, जो यहां की एक अनूठी परंपरा है. बड़ी मात्रा में श्रद्धालु अपने चप्पल जूते भी छोड़ जाते हैं बाद में उनकी भी नीलामी मन्दिर प्रबंध समिति करती है.

निर्माण को लेकर शुरू हुई तैयारी

मुख्यमंत्री की घोषणा और राशि की स्वीकृति के बाद, उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा है कि शनि लोक के निर्माण के लिए मंदिर परिसर में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं. यह भव्य परियोजना उज्जैन की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत करेगी. शनि लोक के लिए ड्राइंग डिजाइन तैयार कराई जाएगी उसके बाद टेंडर निकाले जाएंगे.

हादसों का तांडव, रीवा-झाबुआ में 7 की मौत

04 चार की मौके पर मौत, तीन की हालत गंभीर

रीवा/झाबुआ, 09 नवंबर. प्रदेश में रविवार को रफ्तार के दो बड़े हादसों ने जनजीवन को झकझोर दिया. रीवा-प्रयागराज हाइवे और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हुई अलग-अलग दुर्घटनाओं में कुल सात लोगों की मौत हो गई, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हैं.

रीवा जिले के गढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत तेंदुआ कोठार में रविवार शाम लगभग 4.30 बजे तेज रफ्तार स्कार्पियो कार ने सड़क किनारे खड़े लोगों को रौंद दिया. हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और तीन गंभीर रूप से घायल हुए हैं. मृतकों में रामनरेश साकेत (35), रुझि साकेत (12), रंजना साकेत और कमलेश सिंह (45) शामिल हैं. सभी स्थानीय निवासी थे. घायलों - सुलेखा पति मुन्नीलाल, सौम्या पिता मुन्नीलाल एवं एक अन्य- को संजय गांधी अस्पताल, रीवा में भर्ती कराया गया है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कार्पियो प्रयागराज की ओर जा रही थी, तभी अचानक नियंत्रण खो बैठी और लोगों के साथ एक मोटरसाइकिल को भी टक्कर मार दी. हादसे के बाद ग्रामीणों ने आक्रोशित होकर शव सड़क पर रखकर जाम लगा दिया. सूचना मिलते ही मनगवां एसडीओपी सहित चार थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश का प्रयास किया.

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर 3 मजदूरों की मौत

इसी दिन झाबुआ जिले के बामनिया क्षेत्र के प्रवासी मजदूरों पर मौत ने कहर बरपा दिया. गुजरात के बड़ौदा के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर सड़क किनारे काम कर रहे मजदूरों पर तेज रफ्तार ट्रक चढ़ गया. हादसे में तीन मजदूर — मोवान पिता भिंडु मुनिया, जानू पिता कोदर भूरिया और बालसिंह पिता मकना गेहलोद — की मौके पर मौत हो गई, जबकि शिवा पिता बालू भूरिया गंभीर रूप से घायल हैं. सभी मजदूर ग्राम रत्नाली (झाबुआ) के रहने वाले थे और ठेकेदार के माध्यम से एक्सप्रेस-वे निर्माण कार्य में जुटे थे. दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई. हादसे की खबर गांव पहुंचते ही परिजनों में मातम छा गया. ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मृतकों के परिवारों को आर्थिक सहायता और स्थानीय स्तर पर रोजगार की व्यवस्था की मांग की.

कलेक्ट्रेट परिसर के मुख्य गेट पर हुए हादसे में बुजुर्ग की मौत

धार, 9 नवम्बर . मध्यप्रदेश में धार जिला कलेक्ट्रेट परिसर के मुख्य गेट पर हुए हादसे मुख्य गेट पर हुए हादसे में बुजुर्ग परसराम जाट की मृत्यु के मामले ने नया मोड़ ले लिया है.

प्रशासन ने घटना की जांच के लिए समिति गठित की है, लेकिन मृतक परिवार को अब तक किसी भी प्रकार की राहत राशि नहीं दी गई है. इस पर कांग्रेस ने प्रशासन की मंशा पर ही प्रश्न चिन्ह खड़े किए हैं. नेता प्रतिपक्ष के प्रतिनिधि अजय सिंह ठाकुर ने कहा कि क्षतिग्रस्त लोहे के वजनदार दरवाजे के गिरने से हुई बुजुर्ग की मृत्यु के बाद अधिकारियों द्वारा केवल जांच दल गठित करना अपनी जवाबदारी से बचने जैसा है. यह प्रशासनिक उदासीनता का उदाहरण है. ठाकुर ने कहा कि यह कोई सामान्य दुर्घटना नहीं बल्कि प्रशासनिक लापरवाही से हुई घटना है.

उन्होंने कहा कि यदि यही घटना किसी आम नागरिक की लापरवाही से हुई होती तो अधिकारी उसी पर गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज करते, लेकिन यहां जब घटना सरकारी परिसर में हुई है तो जिम्मेदार अधिकारी जांच के नाम पर मामले को ठंडे बस्ते में डालना चाहते हैं.

प्रदेश के कई जिलों में शीत लहर का कहर

भोपाल,9 नवम्बर. प्रदेश में ठंड धीरे-धीरे अपने रंग दिखाने लगी है. सुबह और देर रात के समय सर्द हवाओं के साथ गलन बढ़ गई है. मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में कई हिस्सों में कोहरे की संभावना जताई है.

पिछले 24 घंटों के दौरान पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क रहा, लेकिन तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई. मौसम विभाग के अनुसार, रीवा, शहडोल और जबलपुर संभाग में शीत लहर का प्रभाव रहा, जबकि भोपाल, राजगढ़, सिहोर, इंदौर और शाजापुर में तीव्र शीत लहर देखी गई. बीते 24 घंटों में अधिकतम तापमान में खास बदलाव नहीं हुआ, पर यह सामान्य से नीचे रहा.

इंदौर, चंबल, रीवा और शहडोल संभागों में अधिकतम तापमान सामान्य से 3.4 से 3.8 डिग्री सेल्सियस तक कम दर्ज हुआ.

वहीं, भोपाल, नर्मदापुरम, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर और सागर संभागों में यह सामान्य से 1.9 से 2.9 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा. न्यूनतम तापमान की बात करें तो जबलपुर संभाग के जिलों में पारा 2.1 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़का. भोपाल और उज्जैन संभागों में यह सामान्य से 5.6 से 7.8 डिग्री सेल्सियस तक नीचे गया. वहीं, इंदौर, ग्वालियर, रीवा, जबलपुर और सागर में यह सामान्य से 3.0 से 4.6 डिग्री सेल्सियस तक गिरा.

पश्चिमी विक्षोभ का असर भी मौसम में देखा जा रहा है. यह फिलहाल उत्तरी हरियाणा के ऊपर लगभग 3.1 किलोमीटर की ऊंचाई पर चक्रवातीय परिसंचरण के रूप में सक्रिय है. इसके प्रभाव से मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में ठंडी हवाएं और कोहरा बढ़ने की संभावना है. मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, आने वाले दिनों में भोपाल, सिहोर, राजगढ़, इंदौर, देवास, शाजापुर, आगर, रीवा, मऊगंज, शहडोल, उमरिया और जबलपुर में तापमान और नीचे जा सकता है. इससे प्रदेश में ठंड का असर और बढ़ेगा.

राहुल ने मप्र युवा कांग्रेस के वोट चुराए

विश्वास सारंग ने प्रदेश कार्यालय में पत्रकार-वार्ता में लगाए आरोप

भोपाल, 09 नवम्बर. मध्यप्रदेश शासन के मंत्री विश्वास सारंग ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार-वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि राहुल गांधी देशभर में वोट चोरी के आरोप लगाते हैं, जबकि उनकी अगुवाई में कांग्रेस पार्टी के अंदर ही वोट चोरी हो गई.

उन्होंने कहा कि हाल ही में संपन्न हुए युवा कांग्रेस चुनाव में साढ़े 8 लाख वोट चोरी हुए. किसान के बेटे अभिषेक परमार को हराने के लिए कांग्रेस नेताओं ने वोट में हेराफेरी की और वरिष्ठ नेता लखन घनघोरिया के बेटे यश को जिताया, जिससे यह चुनाव भी वंशवाद और परिवारवाद की भेंट चढ़ गया.

सारंग ने कहा कि कांग्रेस ने युवा कांग्रेस के चुनाव में रजिस्ट्रेशन के नाम पर साढ़े 8 करोड़ रुपए की ठगी की. लगभग 15 लाख युवाओं से प्रति व्यक्ति 50 रुपए वसूले गए, जबकि लाखों वोट रिजेक्ट या होल्ड कर दिए गए. उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस की अलोकतांत्रिक मानसिकता को दर्शाता है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास नहीं करती.

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

क.रा.बी.नि.
E.S.I.C.

"हम सभी क्षेत्रों में तेजी से सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं जिससे जीवन की सुगमता बढ़ेगी, कारोबार में आसानी होगी और समृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।"
- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

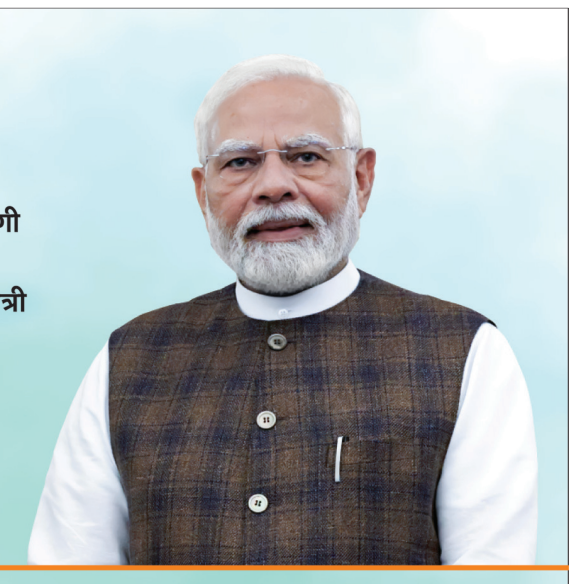

सरल अनुपालन, सशक्त व्यापार,
विकसित भारत का आधार

ई. एस. आई. सी. एमनेस्टी स्कीम 2025

1 अक्टूबर, 2025 से 30 सितंबर, 2026 तक

ई.एस.आई.सी. के पंजीकृत नियोक्ताओं के लिए 31 मार्च, 2025 तक दायर पिछले मामलों का निपटारा करने और अपने कारोबार को सुरक्षित करने का अवसर

ई.एस.आई.सी. के पंजीकृत नियोक्ताओं के लिए पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से (6 माह के भीतर) प्रभारों में छूट/कमी के माध्यम से लंबी मुकदमेबाजी से राहत पाने का एक और अवसर जिससे व्यापार करने में अधिक आसानी होगी।

इसमें क्या शामिल है?

कवरेज/अंशदान विवाद: देय अंशदान का भुगतान ब्याज सहित करें, कोई हर्जाना नही लिया जाएगा। मूल्यांकन के लिए ईपीएफओ/आयकर रिकॉर्ड स्वीकार किए जाएँगे।

हर्जाना: यदि ब्याज सहित अंशदान पहले ही चुकाया जा चुका है तो हर्जाने का 10 प्रतिशत भुगतान करके निपटान करें।

पुराने मामले: 15 वर्षों से लंबित 25,000 से कम बकाया को उन बंद इकाइयों के लिए माफ किया जा सकता है जिनके नियोक्ताओं का पता नही चल पा रहा है; चालू इकाइयों को 30 प्रतिशत प्लस ब्याज देना होगा।

अभियोजन वापसी: धारा 84 (रिफंड), धारा 85 और 85ए (नियोक्ता) - किसी भी न्यायालय स्तर पर अनुपालन के अधीन।

देर से रिटर्न/घोषणाएं: अनुपालन के बाद ही स्वीकार की जाएंगी।

कौन आवेदन कर सकता है?

धारा 75, 82, 85, 85ए और अनुच्छेद 226 के तहत लंबित विवादों वाले नियोक्ता।

धारा 84 के तहत रिफंड वाले बीमित व्यक्ति।

पुराने बकाया, जमा न करना, या देर से घोषणाओं वाली इकाइयां

आवेदन कैसे करें:
निकटतम क.रा.बी.नि. क्षेत्रीय/उप-क्षेत्रीय कार्यालय में संपर्क करें।

विस्तृत विवरणों के लिए: www.esic.gov.in देखें या टोल-फ्री नंबर 1800-11-2526 पर कॉल करें।

अधिक जानकारी के लिए
QR कोड स्कैन करें

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60